ख़िदमते ख़ल्क

Allah Ki Raza Ke Liye

GHAUS O KHWAJA O RAZA TRUST

Add : Karam Parti, Badhu, Ranchi, Jharkhand (India)
Mob. : 9534124663 I www.ghausokhwajaorazatrust.com

ट्रस्ट के बारे में

अल्हम्दुलिल्लाह,

Ghaus o Khawaja o Raza Trust *एक इस्लामी ट्रस्ट है जिसकी बुनियाद सिंतबर २०२३ में रखी गई। यह ट्रस्ट अल्लाह के फ़ज़्ल व करम से और अल्लाह वालो के फ़ैज़ान से दीन व शरीयत के तहफ्फुज़, कौम की खिदमत, हुकूकुल्लाह और हुकूकूलइबाद यानी तमाम नेक आमाल की तबलीग वगैरह मस्लके अहले सुन्नत व जमाअत (मसलके आला हज़रत) के मुताबिक अंजाम देती है।*

ट्रस्ट के मक़ासिद में मुख़्तलिफ़ तरीकों से दीन की ख़िदमत करना शामिल है जो शरीयत और सुन्नत के दायरे में है। यह ट्रस्ट अल्लाह की रज़ा के लिए काइम की गई है लिहाज़ा इसके तमाम मामलात का तअल्लुक़ आख़िरत से है। इसके ज़रिए वही काम किया और लिया जाएगा जिसका बदला आख़िरत में इनआम के तौर पर मिलना है। दुनियावी दौलत, शोहरत और नामो नुमूद से इसका कोई तअल्लुक़ नहीं।

ख़ादिम अनवर रज़ा खाँन क़ादरी
बानी गौस व ख़्वाजा व रज़ा ट्रस्ट, झारखंड, भारत

दीनी ख़िदमात

ईमान की मजबूती : सही बुख़ारी व मुस्लिम में अनस रदियल्लाहु तआला अन्हु से मरवी कि रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया क़सम है उसकी जिसके हाथ में मेरी जान है बन्दा मोमिन नहीं होता जब तक अपने भाई के लिए वह पसन्द न करे जो अपने लिए पसन्द करता है। (बहारे शरीअत, हिस्सा 16 , पेज 237)

रूहानी ईलाज़ - ज़िस्मानी और रूहानी बिमारियों से परेशान इंसान एक बार जरूर मिले। दुनिया से आख़िरत तक के लिए ईलाज मौजूद है। अल्लाह के फज़्लो करम से इल्म, अमल और नेक दुवाओं के जरिए।

मोहताजो को हिम्मत - हदीस हज़रत अनस रदियल्लाहु तआला अन्हु से रिवायत्त की कि रसूलुल्लाह ﷺ ने फ़रमाया जो मेरी उम्मत में किसी की हाजत पूरी कर दे जिससे मकसूद उसको खुश करना है उसने मुझे खुश किया और जिसने मुझे खुश किया उसने अल्लाह को खुश किया और जिसने अल्लाह को खुश किया अल्लाह उसे ज़न्नत में दाख़िल फ़रमायेगा । (बहारे शरीअत, हिस्सा 16 , पेज 237)

अनपढ़ो को इल्म - फ़रमाने ग़ौसे आज़म है तमाम खूबियों का मजमुआ इल्म सीखना, उसपर अमल करना और दूसरों को सिखाना है।

भूखों को खाना - फ़रमाने नबवी है, जो किसी भूके को फी सबीलिल्लाह खाना खिलाता है उस के लिए जन्नत वाजिब हो जाती है और जिस ने किसी भूके से खाना रोक लिया, अल्लाह तआला कियामत के दिन उस शख्स से अपना फ़ज़्ल व करम रोक लेगा और उसे अज़ाब देगा। (मुकाशफतुल कुलूब, बाब 18, पेज 131)

नंगो का कपड़ा - फ़रमाने नबवी है कि फ़कीरों को पहचानो और उन से भलाई करो, उन के पास दौलत है। पूछा गया कि हुजूर कौन सी दौलत है? आप ने फ़रमाया जब क़ियामत का दिन होगा अल्लाह तआला उन से फरमाएगा जिस ने तुम्हें खिलाया पिलाया हो या कपड़ा पहनाया हो उस का हाथ पकड़ कर उसे जन्नत में ले जाओ (मुकाशफतुल कुलूब, बाब 34)

सुन्नी रिश्ते और निकाह - इस ट्रस्ट के जरिए हम 2 दिलों को जोड़ने के लिए लकड़े और लड़कियो के नेक रिश्तें मिलाते है और निकाह कराते हैं। मियां बिवि झगड़ा जैसे मुसिबतों का निज़ात नेक मशवरा और समझौता के जरिए कराते है।

बेवाओं को मदद - इब्ने माजा की हदीस है कि बेवा और मिस्कीन की देख-भाल करने वाला अल्लाह की राह में लड़ने वाला है और उस शख्स की तरह है जो रातों को इबादत करता है और दिन को रोजा रखता है। (मुकाशफतुल कुलूब, बाब 67)

यतीमों को मदद - हुजूरे अनवर ﷺ का इरशाद है कि जिसने यतीम के कपड़े और खाने की ज़िम्मेदारी ले ली अल्लाह तआला ने उसके लिए जन्नत को वाजिब कर दिया। (मुकाशफतुल कुलूब, बाब 18, पेज 131)

ज़िन्दो के लिए हिदायत - तुम में एक गिरोह ऐसा होनी चाहिए की भलाई की तरफ़ बुलाएं और अच्छे काम करने का हुक्म दे और बुरे कामों से रोके। यही लोग मुराद को पहुंचे। (सूरह इमरान, आयत नं. 104)

मुर्दो के लिए मग़फिरत - मय्यित को किसी नेक काम का सवाब बख़्शना बेहतर और अच्छा काम है "मुर्दा एक डूबने वाले की तरह किसी फरियाद रस के इन्तिज़ार में रहता है ऐसे वक़्त में सदक़ात और दुआएं और फातिहा इस के बहुत काम आते हैं येही वजह है कि लोग एक साल तक खुसूसन मौत के बा'द एक चिल्ले तक मय्यित को इस किस्म की इमदाद पहुंचाने की पूरी पूरी कोशिश करते हैं।" (जन्नती ज़ेवर , पेज 301, 302, 303 हिंदी)

आप भी हमारे ट्रस्ट के जरिए आपने माल, इल्म व ज़िस्म से मदद ले या दे सकते है

माल से मदद

- नफ़्ली सदका
- सदका ऐ जारिया
- इसाले सवाब
- तोहफ़ा/हदिया
- ज़कात
- सदका ऐ फ़ित्र
- उश्र
- इसार

हयात के साथ भी वफ़ात के बाद भी

"जो माल तुझे अल्लाह ने दिया है उससे आख़िरत का घर तलब कर।
(कंजूल ईमान, सुरह कसस, आयत न.)

माली इबादत से दीनी ख़िदमत करे

Anwar Khan

9534124663

1 **Daily** Donate

2 **Monthly** Donate

3 **Yearly** Donate